p>

Title: Need to frame separate policy for development of Uttarakhand.

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार प्रकट करना चाहूंगा कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया । माननीय अध्यक्ष जी, मैं अटल जी को याद करता हूं । अटल जी ने उत्तराखण्ड का निर्माण किया साथ ही आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी ने चहुँमुखी विकास करने का काम किया है । उत्तराखण्ड में आल वेदर रोड, नेशनल हाईवे व चारधाम सड़क योजना है। वहां तेजी से काम हो रहा है, तेजी से विकास हो रहा है, लेकिन विकास के बाद पलायन भी
तेजी से हो रहा है । मैं यह कह सकता हूं कि वहां विषम परिस्थितियां है, मैदानी क्षेत्र है, भौगोलिक दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्र भी हैं । उत्तराखण्ड राज्य बनाने के लिए पर्वतीय क्षेत्र के लोगों ने बहुत संघर्ष किया, लेकिन आज भी वहां रोजगार का अभाव है, जिसके कारण लोग पलायन कर रहे हैं । पलायन मुख्य मुद्दा है । शिक्षा, मूलभूत आवश्यकताओं और स्वास्थ्य की व्यवस्था चरमराई हुई है और मैं कह सकता हूं कि आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के कारण लोग पलायन कर रहे हैं। पलायन कैसे रुके? मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को कहना चाहूंगा कि विकास तो तेजी से हो रहा है और माननीय प्रधान मंत्री जी चहुँमुखी विकास भी कर रहे हैं, लेकिन वहां पर लघु उद्योग लगें, जिससे रोजगार मिले, क्योंकि सीमांत क्षेत्र चमोली, उत्तरकाशी और पौड़ी भी है, जो हिमालय बेल्ट है तो वहां तिब्बत सामने है, चाइना सामने है, नेपाल सामने है तो वहां माओवाद कभी भी फन फैलाता है तो जो नौजवान वहां रहता है, वह सेना का भी साथ देगा और उनके साथ वहां खड़ा भी रहेगा ।

इसके लिए वहां रोजगार के लिए अलग से पर्वतीय क्षेत्र के लिए पॉलिसी बने, जिससे कुटीर उद्योग, लघु उद्योग आदि लगें । साथ ही, शिक्षा को देखते हुए, मैं कहना चाहता हूं कि हर ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर पर केन्द्रीय विद्यालय खुलें

तो शायद पलायन रुकेगा । इसलिए उद्यम और उद्योग के लिए अलग से पॉलिसी बने । मैं आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं ।

SHRI KURUVA GORANTLA MADHAV (HINDUPUR) : Respected Speaker Sir, I am very much thankful to you for giving me the permission to speak in this temple of democracy.

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं दिया, आपको चार-पांच बार मौका दे दिया ।